



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 22, 1988/अग्रहायण 1, 1910
No. 14, NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 22, 1988/AGRAHAYANA 1, 1910

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 नवंबर, 1988

अधिसूचना

का. नि. आ. 15-(अ).—केन्द्रीय सरकार, तटरक्षक अधिनियम 1978 (1978 का 30) की धारा 123 की उपधारा (2) के खंड (ड) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तटरक्षा के दौरान किए जाने वाले समारोह और समान चिह्नों के संबंध में निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

अध्याय-1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तटरक्षक (समारोह) नियम, 1988 है।

(1)

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हो, :—

(क) "अधिनियम" से तटरक्षक अधिनियम, 1978 (1978 का 30) अभिप्रेत है,

(ख) "तटरक्षक आदेश" से तटरक्षक महानिदेशक द्वारा जारी किया गया कोई आदेश अभिप्रेत है,

(ग) "सरकार" से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है,

(घ) "सेवा" से भारतीय तटरक्षक सेवा अभिप्रेत है,

(ङ) सभी शब्दों और पदों का, जिनका प्रयोग इन नियमों में किया गया है किन्तु परिभाषित नहीं किया गया है परन्तु उन्हें अधिनियम में परिभाषित किया गया है, वही अर्थ होगा जो उनका उस अधिनियम में है।

3. तटरक्षक पद के धारक में निहित शक्ति का प्रयोग—इन नियमों के प्रयोजनों के लिए तटरक्षक का पद धारित करने वाले किसी व्यक्ति को दी गई किसी शक्ति या अधिकारिता का प्रयोग सेवा को कठि के अनुसार हम निम्नित तत्समय प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा सकेगा और उसके द्वारा या इसके पूर्व किया जाने वाला कोई कार्य या बात भी इन्हीं समान उसके द्वारा की जा सकेगी।

अध्याय 2

मानक और सुव्यवस्था

4. राष्ट्रपति—(1) राष्ट्रीय ध्वज बंदरगाह में पोत के फलक पर, सरकारों इमारत पर और अन्य अंतः क्षेत्र में फहराया जाएगा। उनके जाने ही उसे नीचे खींच लिया जाएगा।

(2) जब राष्ट्रपति बंदरगाह में किसी पोत पर सवार हो तो राष्ट्रीय ध्वज मस्तूल पर या पोत के सबसे अधिक सहज दृश्य भाग पर फहराया जाता है।

(3) जैक स्टाफ पर राष्ट्रीय ध्वज—ऐसे अवसर पर जब राष्ट्रपति पोत पर सवार हों और पोत यात्राधीन हो तो ऐसे पोत और सभी रक्षा पोत जैक स्टाफ पर राष्ट्रीय ध्वज लगाएंगे और तटरक्षक ध्वजा भी लगाएंगे और इसके साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज बराबर लगाए रखेंगे।

5. क. जेम्स अधिकारियों के झंडे—निम्नलिखित झंडे मस्तूल पर हकदार अधिकारियों द्वारा अपने उचित क्षेप के रूप में फहराए जाएंगे :-

(i) महानिदेशक—एक नीला झंडा, जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्लैट अध्यारोपित होगा, जिसकी पलाई के आगे ऊपरी बीच के और निचले कंटन में तीन खड़े तारे होंगे।

(ii) महानिरीक्षक—एक नीला झंडा, जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्लैट अध्यारोपित होगा जिसकी पलाई के आगे ऊपरी और निचले कंटन में दो खड़े तारे होंगे।

(iii) उपमहानिरीक्षक यदि तटरक्षक क्षेत्र की कमान कर रहा हो एक नीला झंडा, जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्लैट अध्यारोपित होगा जिसकी पलाई के आगे बीच में एक तारा होगा।

(iv) पोती कमांडरों से भिन्न उप महानिरीक्षक—एक नीला पताका जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्लैट अध्यारोपित होगा जिसके बीच में पलाई के आगे एक तारा होगा।

(ख) (i) तिरने हुए झंडे—तिरने हुए झंडे लगाने के ये अधिकारी हकदार होंगे : किसी तटरक्षक क्षेत्र की कमान करने वाला महानिरीक्षक और उपमहानिरीक्षक,

(ii) तट पर झंडे—तट पर झंडा लगाने के ये अधिकारी हकदार होंगे :

महानिदेशक और क्षेत्रीय तटरक्षक कमांडर।

6. विस्थापित झंडा और पताका—राष्ट्रपति का झंडा मस्तूल पर सदा लगा रहेगा, महानिदेशक/महानिरीक्षक उपमहानिरीक्षक के झंडे/पताका को यदि आवश्यक हो किसी अन्य उपयुक्त स्थान या पोत को स्थानांतरित कर दिया जाएगा जैसा आदेश मिले हो।

7. झंडा झुकाना—(1) राष्ट्रपति की मृत्यु की वृत्ति में उस दिन से जिस दिन मृत्यु की सूचना प्राप्त हो निशान झुके रहेंगे और अन्त्येष्टि के दिन सूर्यास्त तक या जैसा आदेश दिया जाए झुके रहेंगे।

(2) अन्य उच्च पदस्थ व्यक्तियों की मृत्यु पर आयोजित समारोह की बाबत प्रत्येक अवसर पर महानिदेशक द्वारा आदेश दिए जाएंगे। सामान्यतया वह प्रक्रिया जिसका अनुसरण किया जाएगा यह होगी कि केवल अन्त्येष्टि के दिन निशान झुके रहेंगे।

8. झंडे और निशान फहराने के लिए आनुकूल्य स्थिति—

(1) मस्तूल और अधिरचना वाले पोतों में जिनमें रुढ़ित या प्राधिकृत स्थिति में ध्वज और ध्वजा फहराना अनुज्ञात नहीं है ऐसे झंडे किसी अन्य मस्तूल पर या यदि आवश्यक हो यार्डार्म पर फहराए जा सकेंगे।

(2) ड्रेसिंग लाइन—जब ड्रेसिंग लाइन ब्लाक के लिए मस्तूलोपरि उपयुक्त सेंटर लाइन पोजिशन की व्यवस्था न की जा सके तो उन्हें पतन या स्टार बोर्ड पर जितना भी ऊंचा हो सके उतना ऊंचा लगाया जाना चाहिए।

9. मस्तूल शीर्ष पताका—(1) सेवारत सभी पोत जब उन पर झंडा या पताका न लगा हुआ हो मस्तूल शीर्ष पर एक तटरक्षक पताका लगाएंगे एक नीला पताका जिसकी लंबाई 9 सेंटीमीटर और शीर्ष पर चौड़ाई 9 सेंटीमीटर और पलाई पर चौड़ाई 4.5 सेंटीमीटर होगी और शीर्ष से 15 सेंटीमीटर की दूरी तक तटरक्षक संग्रहीत अध्यारोपित होगा।

(2) यदि आवश्यक हो, रेडियो ऐरियल से बिछन और अन्य मस्तूलोपरि पोतों से बचाने के लिए छोटा पताका लगाया जा सकेगा परन्तु तब जब कि उसे पोत से थोड़ी ही दूरी पर आसानी से देखा जा सके।

(3) सेवारत तट स्थापन पर ध्वज दंड के शीर्ष पर, ध्वज दंड फिट किया जाए मस्तूलोपरि पताका लगाया जाएगा।

अध्याय 3

निशान

10. राष्ट्रपति के निशान—(1) राष्ट्रपति के निशानों की भारत में तट पर निम्नलिखित अवसरों पर परेड की जाएगी, अर्थात् —

- (क) राष्ट्रपति के लिए बचने जाने वाले सम्मान गारव द्वारा ।
- (ख) गणतंत्र दिवस पर ।
- (ग) किसी अन्य महत्वपूर्ण समारोह के अवसर पर जैसा कि महानिदेशक आदेश करें ।

(2) राष्ट्रपति के निशान केवल राष्ट्रपति विशेषी प्रभुता सम्पन्न व्यक्तियों, गणराज्य अध्यक्ष या राज्यपालों के लिए, उनके अधिकार क्षेत्र में, गिराए जाएंगे ।

(3) राष्ट्रपति के निशानों को, जब उन्हें निकाल कर ले जाया जा रहा हो, सत्ता सलामी शस्त्र द्वारा अत्यंत सम्मान के साथ अधिकारियों द्वारा सैलूट देकर और बैंड द्वारा राष्ट्र गान की धुन बजा कर प्राप्त किया जाएगा ।

11. तट पर तटरक्षक ध्वजा :—(1) महत्वपूर्ण समारोह पुनर्विलोकन या भारत से बाहर तट पर अंतराष्ट्रीय तटरक्षक प्रदर्शन के दौरान तटरक्षक ध्वजा को उपस्थित ज्येष्ठ तटरक्षक अधिकारी के विवेकानुसार तटरक्षक अवतरण वज के साथ ले जाया जा सकेगा ।

(2) उन देशों में जिनकी सरकार को भारत सरकार ने मान्यता दी हुई है, तटरक्षक ध्वजा को तटरक्षक टुकड़ियों द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण समारोह के अवसरों पर ले जाया जा सकेगा, अर्थात् :—

- (क) जब राज्याध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि हों, या
- (ख) जब तटरक्षक ध्वजा के लोग के कारण कोई गलतफहमी या अशान्ति होने की संभावना हो ।
- (3) महानिदेशक या उपस्थित ज्येष्ठ तटरक्षक अधिकारी के विवेकानुसार तटरक्षक ध्वजा को तट पर ध्वज बंड पर भारत में या किसी ऐसे देश में जिसकी सरकार को भारत सरकार ने मान्यता दी हुई हो, ऐसे अवसरों पर जैसे "बोटिंग रिट्रीट या मंच से गुजरना (मार्चपास्ट) या पुनर्विलोकन" के दौरान सलामी मंच पर फहराया जा सकेगा ।

(4) उपनिर्णय (2)(2) और (3) में विनिर्दिष्ट अवसरों से भिन्न किसी अवसर पर तटरक्षक ध्वजा को परेड अनाधिकृत होगी ।

12. सेवारत पोत :—(1) सेवारत सभी तटरक्षक पोत निम्नलिखित निशान लगाए रहेंगे :—

- (क) तटरक्षक ध्वजा :—एक नीली ध्वजा जिसके बीच में प्लार्ड की ओर तटरक्षक संप्रतीक होगा ।

(ख) राष्ट्रीय ध्वज जिनकी लंबाई-चौड़ाई निशान से कम होगी, यह ध्वज बंड पर, जब बंदरगाह में हो, लंगर पर या बोथा के साथ स्थिर होगा या किनारे पर बंधा रहेगा । डाक या डॉकयार्ड हैब्स में पोत ध्वज बंड पर राष्ट्रीय ध्वज नहीं लगाएंगे ।

(ग) निर्णय 9 में विनिर्दिष्ट पताका ।

(2) वे पोत जो नौमार्ग नहीं हैं, अपने जलावतरण के अवसर के विनाश प्रतीक अन्य अवसर पर निशान नहीं लगाएंगे ।

13. तटरक्षक ध्वजा लगाना :—(1) तटरक्षक निशान निम्नलिखित स्थितियों में लगे रहेंगे :—

(क) बंदरगाह में — ऐसा इन स्टाफ पर,

(ख) समुद्र में — ऐसा इन स्टाफ पर जहाँ संभव हो, किन्तु खराब मौसम में या जहाँ ऐसा न स्टाफ उपलब्ध न हो ऐसे कारणों से जैसे पोत को कार्रवाई के लिए अनुमति दी गई हो और इसी प्रकार की स्थिति में स्टाफ पर पोछे की ओर अधिरचना पर किसी उपयुक्त स्थिति में लगाया जाना चाहिए ।

(2) उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी आवश्यक एकपता को, विशेषकर जहाँ तक वे एक ही वर्ग के पोतों से संबंधित है, व्यवस्था करेंगे ।

14. निशान-फहराना और नौचे खींचना :—(1) पोत अपने-अपने निशान (राष्ट्रीय ध्वज और तटरक्षक ध्वजा) प्रत्येक दिन सुबह 8 बजे या जैसा कि ज्येष्ठ अधिकारी निदेश दे, वे सारे दिन सूर्यास्त तक लगे रहेंगे किन्तु ऐसा मौसम या ज्येष्ठ अधिकारी द्वारा किए गए निदेश के अन्वय-धीन होगा और उन्हें सूर्यास्त होने पर नौचे खींच लिया जाएगा ।

(2) जब निशान फहराने के समय बैंड बजाने का आदेश दिया जाए तो भारतीय राष्ट्रगान की धुन बजाई जाएगी ।

(3) विदेशी पत्तन में भारतीय राष्ट्रगान के तुरन्त बाद उस देश के राष्ट्र गान की धुन बजाई जाएगी जिसमें पत्तन स्थित है ।

(4) जब बैंड की परेड न की जाती हो तो बिगल द्वारा अनुरत सैलूट दिया जाएगा ।

(5) यदि ध्वजा दिखाई देने के लिए पर्याप्त प्रकाश हो तो उसे पूर्वनामी उपनिधियों में उपबंधित समय से पूर्व या उसके पश्चात तब तक फहराया जाएगा जब तक कि ऐसा न करने के पर्याप्त कारण न हों किन्तु ऐसा तब किया जाएगा जब कोई पोत अपने स्थान पर आपन आ जाता है या दावार्धन हो या किसी अन्य भारतीय तटरक्षक पोत के पास से गुजर रहा हो, उससे मिल रहा हो, उसके साथ

सम्मिलित हो रहा हो या उससे अलग हो रहा हो या समुद्र में किसी पोत या पोतों के साथ लाइन बना रहा हो या ऐसे स्थान पर जहाँ से भूमि दिखाई दे रही हो या निकट हो और विशेषकर जब वह किसी किले, बैटरी, सिगनल या तटरक्षक स्टेशन, लाइट हाउस या नगर से गुजर रहा हो या उसके पास पहुँच रहा हो।

15. झण्डे नीचे करना :—पोत किसी भी विदेशी पोत के लिए किसी भी स्थिति में अपने झण्डे नीचे नहीं करेंगे जब तक कि विदेशी पोत पहले ही या उसी समय उनके लिए अपने झण्डे नीचे नहीं कर लेते हैं।

16. निशान झुकाना :—(1) तट पर किसी अंत्येष्टी या दफन के लिए झुके हुए निशान उस समय नीचे खींचे जाएंगे जिस समय अंत्येष्टी या दफन उस स्थान से शुरू होने वाली हो जहाँ शव पड़ा हुआ है और उन्हें दाह-संस्कार या दफन के पश्चात् पर्याप्त समय बीत जाने के बाद फिर से फहराया जाएगा।

(2) जब शव पोत से जाने वाला हो तो निशानों को उस समय खींचा जाएगा जब शव को उस स्थान से हटाया जाए जहाँ वह पोत के फलक पर पड़ा हुआ था और उन्हें दाह-संस्कार या दफन के पश्चात् पर्याप्त समय बीत जाने के बाद फिर से फहराया जाएगा।

(3) समुद्र में अंत्येष्टी के लिए, निशान उस समय नीचे खींचेंगे जब शव को उस स्थान से हटाया जाए जहाँ वह पड़ा हुआ है और उन्हें अंत्येष्टी होने के पश्चात् फिर से फहराया जाएगा।

(4) जब शव को किसी पोत से दाह-संस्कार या दफन की प्रतीक्षा करने के लिए हटाया जाए तो निशान नहीं झुकाए जाएंगे बल्कि उसे ले जाने वाली नौका का निशान झुका रहेगा।

(5) जब निशानों को सारे दिन झुके रहने का आदेश दिया जाए तो उन्हें उस समय पूरा फहराया जाएगा जिस समय निशान सुबह फहराये जाएँ, और उन्हें तुरन्त नीचे झुका दिया जाएगा। सूर्यास्त के समय उन्हें पहले पूरा फहराया जाएगा और उसके पश्चात् आम रीति में नीचे किया जाएगा।

(6) जब किसी विदेशी पत्तन में संबद्ध देश के पोत/युद्ध पोत अपने किसी राष्ट्रिक की मृत्यु पर अपने निशान झुकाते हैं तो पोत शिष्टाचार के नाते ऐसा करते हुए अपने निशान झुकाएंगे। ऐसी किसी अवसर पर भारतीय पत्तन में किसी विदेशी पोत के मौजूद होने की बशा में कंपनी पोत केवल अंत्येष्टी के दिन अपने निशान झुकाएंगे जब तक कि महानिदेशका या उपस्थित ज्येष्ठ तटरक्षक अधिकारी ने विशेष आदेश जारी न कर दिया हो।

(7) किसी लंगर स्थान के पास पहुँचने वाले या वहाँ से न जाने वाले पोत जहाँ किसी अन्य देश के पोत मुख्य स्था पर झुके हुए विदेशी राष्ट्रीय ध्वज लगे हुए हों या उनके निशान झुके हुए हों, जो पत्तन में पोतों को दिखाई पड़ें, विदेशी राष्ट्रीय ध्वज झुका हुआ फहराएंगे या झुका रखेंगे या अपने निशान झुके हुए रखेंगे।

(8) किसी ऐसे ज्येष्ठ अधिकारी की मृत्यु पर (जो युद्ध में न हुई हो) जिसका झंडा किसी पोत या तटरक्षक स्टेशन पर लगा हुआ हो, उसका झंडा झुका दिया जाएगा और उसे अंत्येष्टी के दिन सूर्यास्त तक झुका रखा जाएगा और सूर्यास्त के पश्चात् उसे पूरा फहराया जाएगा और बाद में उसे उतार लिया जाएगा।

(9) यदि अंत्येष्टी पोत या पत्तन से किसी ऐसी दूरी पर की जानी हो जहाँ झंडा लगा हुआ हो वहाँ झंडे को उस दिन सूर्यास्त तक झुका रखा जाएगा जिस दिन शव को दफन करने या दाह-संस्कार के प्रयोजन के लिए पोत या पत्तन से हटाया जाए।

(10) राष्ट्रपति की मृत्यु पर निशान झुकाने से संबंधित निदेश, जो नियम 7 में अंतर्निहित हैं, उप-राष्ट्रपति या प्रधान मंत्री की मृत्यु होने की वशा में भी लागू होंगे।

17. पोत ध्वज मंडन : (1) प्रत्येक पोत का जिसे आवश्यक सामग्री का प्रदाय किया गया है, गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर निशान फहराने के समय से सूर्यास्त तक पत्तन में पूर्ण रूप से ध्वज मंडन किया जाएगा।

(2) यातायात पोत और ऐसे पोत का जो ड्रेसिंग लाइन से युक्त नहीं हैं मस्तूल शीर्ष पर निशानों से और जैक स्टॉफ पर राष्ट्रीय ध्वज से ध्वज मंडन किया जाएगा। यह पद्धति उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी के आदेशों से अन्य पोतों द्वारा भी अपनाई जाएगी यदि विद्यमान स्थिति संपूर्ण पोत ध्वज मंडन को समीचीन बना देती है।

(3) उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी के आदेश से पोतों का, किसी राज्याध्यक्ष के दौरे के अवसर पर किसी राज्याध्यक्ष के झंडे की मौजूदगी में और कुछ विदेशी समारोह अवसरों पर पोतों की मौजूदगी में या संबद्ध देशों के जल में ध्वज मंडन किया जाएगा। ध्वज मंडन की रीति और समय का, जिसके दौरान पोत का ध्वज मंडन किया जाएगा, परिस्थितियों के अनुसार प्रत्येक अवसर पर उल्लेख किया जाएगा।

(4) ऐसे अवसरों पर जब पोत का किसी भारतीय समारोह या व्यक्ति के सम्मान में ध्वज मंडन किया जाए महानिदेशक/महानिरीक्षक/उपमहानिरीक्षक के झंडे/पताका लगाए हुए पोत केवल ऐसे मस्तूलों पर तटरक्षक ध्वजों लगाएंगे, जिनका अधिभोग उपरोक्त में से कोई भी न कर रहा हो और अन्य पोत मस्तूल/मस्तूल शीर्ष पर तटरक्षक ध्वजों लगाएंगे।

18. तटरक्षक पोत का जलावतरण :- (1) सभी पोतों के जलावतरण पर भले ही पोत डाकघाट में बना हो या ठेके द्वारा, जहां "नामकरण समारोह" हो तटरक्षक ध्वजा ऐसाइन स्टाफ पर लगाई जाएगी और राष्ट्रीय ध्वज जैक स्टाफ पर अन्य किसी झंडे को फहराने की आवश्यकता नहीं है।

(2) झंडे का अधिकतम आकार इस प्रकार होगा :-

- (क) ध्वजा - 8 फीट
(ख) राष्ट्रीय ध्वज - 6 फीट

अध्याय 4

नौकाओं पर झंडे

19. नौकाओं पर तटरक्षक ध्वजा लगाना :- (1) नौकाओं और तटरक्षक कार्य नौकाओं पर तटरक्षक ध्वजा निम्नलिखित अवसरों पर लगाई जाएगी :-

(क) विदेशी जल में।

(ख) सभी अवसरों पर दिन-रात उस समय जब किसी विदेशी युद्ध पोत के पास जाए।

(2) भारत में नौकाएं उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसार निशान के समय के सूर्यास्त तक सिवाय उसके जो उपनियम (1) के खंड (ख) में उल्लिखित है, ध्वजा फहराएगा

(3) विदेशी जल में नौकाएं जब वह दिन निकला और अंधेरा होने के बीच किसी समय अपने पोतों से दूर हों और उपनियम (1) के खंड (ख) में विनिर्दिष्ट अवसरों पर अपनी ध्वजा लगाएगी।

(4) जब पोतों पर निशान झुके हुए हों तो नौका ध्वजा भी (यदि नौका तैर रही हो) झुकी रहेगी।

(5) जब किसी नौका में शपथ ले जाता जो रहा हो, चाहे ऐसा भारतीय जल में किया जा रहा हो या विदेशी जल में, तो नौका की ध्वजा झुकी रहेगी।

20. नौका पर झंडे/पताका :- अपने झंडे या पताका लगाने के हकदार ज्येष्ठ अधिकारी और ऐसे अन्य अधिकारी जो किसी पोत की कमान में या तटस्थापन में कोई नियुक्ति धारित कर रहे हों, जब वह किसी नौका में किसी समारोह के अवसर पर अग्रसर हो अगवाड़ में अपनी पक्ति का लागू झंडा/पताका या मस्तूल शीर्ष पताका लगा सकेंगे

21. नौका पर रंग रोगन :- (1) बजरा और महा-निदेशक तथा तटगारद के अन्य ज्येष्ठ अधिकारी की किसी अन्य उपस्थित नौका पर सफेद रंग का रोगन किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) में अंतर्विष्ट शर्त के सिवाय, सबड क्षेत्रीय कमांडर के अनुमोदन से कमान अधिकारी के विवेकानुसार कोई भी रंग या अनेक रंगों से नौका पर रोगन किया जायेगा।

अध्याय 5

सम्मान और सम्मान विन्ह

22. सम्मान विन्ह :- (1) तटरक्षक पोत और तटरक्षक स्थापन पर जो जो प्राई से ज्येष्ठ अधिकारियों और अधिकारियों तथा पदाधारियों के आने और जाने पर उन्हें सम्मान दिया जाएगा।

(2) ऐसा सम्मान सामान्यतया केवल निशान फहराने और सूर्यास्त के बीच किया जाएगा किन्तु संबंध ज्येष्ठ अधिकारी विशेष परिस्थितियों में इन नियमों का अविरोध कर सकेगा।

(3) सभी समारोह पर "बौकसी" और सम्मान सीटी का प्रयोग किया जाएगा समारोह दौरे पर रक्षकों और बौकसी को परेड को जाएगी।

23. विगुल :- "बौकसी" किसी रैंक को देय सम्मान सूचक है और जो राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री के लिए निशान फहराने और सूर्यास्त के बीच विगुल पर बजाया जाएगा और इस के साथ-साथ ज्येष्ठ अधिकारियों के लिए भी ऐसा हो किया जाएगा यदि वे वहीं में हों और ऐसा उन सब के किसी पोत के फलक पर आने और वहां से जाने या तटरक्षक स्टेशन या स्थापन का दौरा करते समय किया जाएगा।

24. सम्मान सीटी :- (1) निशान फहराने और सूर्यास्त के बीच पोत पर आने या वहां से आते समय निम्नलिखित के लिए सम्मान सीटी बजाई जाएगी :-

(क) राष्ट्रपति

(ख) वहीं में सभी ज्येष्ठ अधिकारी, जैसा कि नियम 5 में उपबंधित है।

(ग) सेवारत पोत (जिसके अंतर्गत तट स्थापन भी है, जहां पश्चातवर्ती शर्त लागू हो) या समुद्र में चल रहे टैंडर को कमान में कोई नियुक्ति धारित करने वाले वहीं पहले हुए तटगारद के सभी सामान्य ड्यूटी अधिकारी और सेवारत तट स्थापन की कमान में कोई नियुक्ति धारित करने वाले वहीं पहले हुए सभी असामान्य ड्यूटी तटरक्षक अधिकारी जब वे पोत के फलक पर आए या वहां से जाए। जो द्वारा फलक पर आने वाले अधिकारियों के लिए जब तक सम्मान सीटी नहीं दी जाएगी जब तक कि वे पहले से तय किए गए समय पर न आ रहे हों। किसी अन्य तट स्टेशन पर सीटी नहीं दी जाएगी।

25. राष्ट्रगान :- (1) राष्ट्र गान के दो पाठ हैं :-

(क) पूर्ण पाठ जिसमें "जन गण मन" के गीत का पहला पद होगा - जिसके गाने का समय 52 सेकेंड होगा : और

(ख) संक्षिप्त पाठ, जिसमें प्रथम पद्य की पहली और अंतिम पंक्ति होंगी—जिसके गाने का समय लगभग 20 सेकेण्ड होगा।

(2) ये दोनों पाठ, जब बैंड उपलब्ध हो तब निम्न-लिखित अवसरों पर गाए जाएंगे :—

(क) पूर्ण पाठ

(i) ऐसे सभी समारोहों पर, जब राष्ट्रपति उपस्थित हों—जिसके अंतर्गत राष्ट्र के नाम किसी राष्ट्रीय दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा दिया जाने वाला संदेश भी है।

(ii) ऐसे सभी समारोहों पर जब राज्यपाल या उप-राज्यपाल यथास्थिति, अपने राज्य या अपने सब राज्यक्षेत्र के भीतर समारोह परेड में उपस्थित होते हैं।

(iii) गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस परेडों पर जब राष्ट्र ध्वज फहराया जाता है

(4) "निशान" फहराने के समय जब गारद और बैंड की परेड कराई जाए।

(ख) संक्षिप्त पाठ

सभी अन्य समारोहों पर।

26. म्यूजिकल सेल्यूट :— प्राधिकृत अवसरों पर धुन द्वारा दिए जाने वाला सम्मान महानिदेशक के आदेश के अनुसार होगा।

27. राष्ट्रपति :— राष्ट्रपति का किसी पोत के फलक पर या तटरक्षक स्टेशन पर आगमन पर ऐसी सम्मान गारद द्वारा सजामी शस्त्र द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसकी कमान कमांडेंट या उपकमांडेंट कर रहे हों, अधिकारी सेल्यूट देंगे, बिगुल द्वारा "चौकसी" की धुन बजाई जाएगी और बैंड द्वारा राष्ट्र धुन बजाई जाएगी। यदि बैंड उपलब्ध नहीं है तो बिगुल द्वारा जनरल सेल्यूट बजाया जाएगा।

28. विशिष्ट विदेशी :— ऐसे विशिष्ट विदेशियों को जिनका अपने देश के पोत पर आते समय सम्मान गारद द्वारा स्वागत किया जाता है, तटरक्षक पोत पर आने पर इसी प्रकार स्वागत किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—दूसरे देश का राष्ट्र गान हमेशा पूरा बजाया जाएगा

29. किसी गणतंत्र के राष्ट्रपति, शाही परिवार का कोई व्यक्ति, ज्येष्ठ अधिकारी जब किसी नौका में गुजर रहे हों :—

(1) जब कोई राष्ट्रपति या शाही परिवार का कोई व्यक्ति नौका या टैंडर में गुजर रहा हो जब नियम 5 में विनिर्दिष्ट ज्येष्ठ अधिकारी ऐसी नौका या टैंडर में, जिस पर नौका या पताका फहरा रहा हो, किसी ऐसे पोत के पास से गुजर रहा हो, जो यात्राधीन नहीं है तो गारद और बैंड की परेड की जाएगी और नियम 37, 38 और 40 में उपस्थित सेल्यूट का बिगुल बजाया जाएगा।

(2) यदि पोत यात्राधीन नहीं है और उस पर किसी ऐसे अधिकारी का झंडा या पताका लगा हुआ है जो ऐसे ज्येष्ठ अधिकारी से ज्येष्ठ है जो किसी नौका या टैंडर में गुजर रहा है, बिगुल पर "चौकसी" की धुन बजाई जाएगी किन्तु गारद और बैंड की परेड नहीं की जाएगी।

30. महानिदेशक :— महानिदेशक का, जब उसका झंडा लगा हुआ हो, किसी पोत के फलक पर या तटरक्षक स्टेशन पर आगमन पर ऐसी गारद द्वारा शस्त्र सजामी द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसकी कमान उपकमांडेंट या सहायक कमांडेंट कर रहे हों, अधिकारी सेल्यूट देंगे, बिगुल द्वारा "चौकसी" की धुन बजाई जाएगी और बैंड द्वारा राष्ट्र धुन बजाई जाएगी, जैसा कि नियम 29 में उपबंधित है। यदि बैंड उपलब्ध नहीं है तो बिगुल द्वारा जनरल सेल्यूट बजाया जाएगा।

31. क्षेत्रीय तटरक्षक कमांडर :— महानिरीक्षक या उपमहानिरीक्षक का जब उसका झंडा या पताका क्षेत्रीय तटरक्षक कमांडर के रूप में लगा हुआ हो, किसी पोत के फलक पर या तटरक्षक स्टेशन पर आगमन पर ऐसी गारद द्वारा शस्त्र सजामी द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसकी कमान उपकमांडेंट या सहायक कमांडेंट कर रहे हों, अधिकारी सेल्यूट देंगे, बिगुल द्वारा, "चौकसी" की धुन बजाई जाएगी और बैंड द्वारा राष्ट्र धुन बजाई जाएगी, जैसा कि नियम 29 में उपबंधित है। यदि बैंड उपलब्ध नहीं है तो बिगुल द्वारा जनरल सेल्यूट बजाया जाएगा।

32. सिविलियन की आर्म्ड पी से संबंधित सेल्यूट :— (1) सेल्यूट देने का ढंग (सिविलियन) :— ऐसे सिविलियन उच्च पदस्थ व्यक्ति जिनके लिए तटरक्षक परेड कराई जाए या जिन्हें सम्मान गारद दिया जाता हो, उसका उत्तर इस प्रकार देंगे :—

(क) सज्जन व्यक्ति :— अपना सीधा हाथ इस ढंग से उठाएँ जिससे कि उंगलियाँ थोड़ी सी अंदर की ओर झुकी हुई हों और माथे की दाईं ओर की थोड़ी सी छूती हुई हों, हथेली थोड़ी अंदर की ओर हो जिससे हाथ का ऊपरी हिस्सा दाईं मांछ के सामने रहे और पीछे का हिस्सा बाहर की ओर। हाथ के अंग उत वक्र में नीचे किया जाए जब सैन्य वन आगे जा चुके हों या एक से अधिक गुण होने की वक्रा में प्रत्येक गुण आगे जा चुका हो।

(ख) महिलाएं :— महिलाएं सेल्यूट का उत्तर खंड (क) में उपबंधित रीति या किसी अन्य उपयुक्त ढंग से दे सकेंगी।

(2) ए बी सी, परेड कमांडर और ज्येष्ठतम अधिकारी की स्थिति :— वी आर्म्ड पी डाइस पर प्रकट खड़े होंगे। यदि उनके ए बी सी हों तो वे सलामी गंव के दोनों ओर खड़े हों सकेंगे और वे वी आर्म्ड पी से थोड़ा पीछे रहेंगे। परेड कमांडर सेल्यूट देने के पश्चात् और परेड के सामने से गुजरते हुए कालम को छोड़ सकेगा और डाइस के नीचे वी आर्म्ड पी के ठीक बाव ऐसी और जिससे परेड मार्च करे पोजिशन संभाल सकेगा।

33. महाविरोधक/आतङ्कानिरोधक :— ऐसे महाविरोधक या आतङ्कानिरोधक का जितने कोई ऐसा झंडा या पताका लगा रखा हो जो नियम 31 के अंतर्गत नहीं आता किसी ऐसी गारद, द्वारा जिसकी कोई सहायक कमांडेंट कमान कर रहा हो पोत के फलक पर या उसके आगमन पर स्वागत किया जाएगा।

34. प्रस्थान और आगमन के समय सम्मान :— पूर्वगामी नियमों में तटरक्षक सम्मान और सम्मान चिन्हों का जब तक कि अन्य आदेश न दिया हो, विनिर्दिष्ट व्यक्तियों और पदधारियों के आगे और जाने के समय प्रयोग किया जाएगा।

35. सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच गुजरने वाले दो पोतों के लिए समारोह :— जब दो तटरक्षक पोत एक दूसरे के पास से गुजरे जिनमें से केवल एक ही यात्राधीन हो तो :

(क) यदि पोत पर राष्ट्रपति या किसी ज्येष्ठ अधिकारी का झंडा लगा हो तो कनिष्ठ पोत विगुल पर "बौकसी" बजाएगा और दूसरा पोत भी गुरलत ऐसा ही करेगा और थोड़े से अंतराल के बाद "समारोह समाप्त" का संकेत देगा। यदि गारद और बंद की परेड होनी हो तो कनिष्ठ पोत ऐसा सेल्यूट देगा जिसकी बाबत नियम 29, 30, 31, 32 और 33 में उल्लेख किया गया है और ज्येष्ठ पोत का गारद "जंघेशस्त्र" पर सेल्यूट लेगा।

(ख) यदि कोई भी पोत किसी ज्येष्ठ अधिकारी का झंडा लगाए हुए नहीं है तो विगुल का प्रयोग नहीं किया जाएगा बल्कि ऐसे ही सम्मान चिन्हों का प्रयोग किया जाएगा और उसका उत्तर सम्मान सीटी द्वारा दिया जाएगा।

(2) सभी मामलों में जब दोनों ही पोत यात्राधीन हों उपनियम (1) में उल्लेखित सम्मान चिन्हों का प्रयोग किया जाएगा और उनका उत्तर केवल सम्मान सीटी द्वारा दिया जाएगा।

36. नौकाओं में, सेल्यूट और सम्मान चिन्ह :— (1) नौकाओं में सम्मान देने और उसका उत्तर देने के लिए निम्नलिखित नियमों का पालन किया जाएगा :—

(क) नौका का भारसाधक अधिकारी या कोक्सन हमेशा सेल्यूट देगा सिवाय ऐसी स्थिति के जहाँ नौका का डिजाइन ऐसा हो कि भार साधक अधिकारी या कोक्सन ऐसे स्थान पर हो जहाँ से वह दिखाई न पड़े। ऐसी स्थिति में नौका के चालक बल के सदस्यों में से किसी एक को सेल्यूट देने के लिए निदेश दिया जाएगा।

(ख) नौका में अधिकारियों में ज्येष्ठ व्यक्ति भी सेल्यूट देगा जहाँ ऐसा करना व्यवहार्य हो।

(ग) वह अधिकारी जिसे सेल्यूट दिया जा रहा है सेल्यूट का उत्तर देगा यदि उसने किसी और अधिकारी को ऐसा करने का निर्देश नहीं दिया है।

यदि कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं हो तो नौका के कोक्सन को सेल्यूट का उत्तर देने का निदेश दिया जा सकेगा।

(घ) जब समान रैंक के अधिकारियों को ले जाने वाली नौकाएं एक दूसरे के पास से गुजरें तो एक दूसरे को सेल्यूट नहीं देंगी।

(2) सेल्यूट के अतिरिक्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों और ज्येष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष सम्मान चिन्हों का प्रयोग किया जा सकेगा।

(3) सभी अधिकारियों को जब वे नौका में प्रवेश कर रहे हों या उसे छोड़ कर जा रहे हो नौका के भार साधक अधिकारी या कोक्सन द्वारा सेल्यूट दिया जाएगा।

(4) निजी नौकाओं में अधिकारी और भर्ती किए हुए व्यक्ति ऐसे सेल्यूट ले और दे सकेंगे जिन्हें शिष्टाचार के रूप में उपदेशित किया जाए किन्तु केवल ऐसी ही अधिकारी या भर्ती किया गया व्यक्ति जो सबसे अधिक सुविधाजनक स्थिति में हो सेल्यूट देगा।

37. सम्मान गारद :— (1) निम्नलिखित व्यक्ति सम्मान गारद के हकदार हैं :—

(क) राष्ट्रपति जब उनका आगमन/या प्रस्थान पब्लिक या शासकीय कार्य के लिए हो और समुचित तट-रक्षक प्राधिकारियों को उसकी सूचना दे दी गई हो।

(ख) उपराष्ट्रपति

(ग) प्रधानमंत्री

(घ) रक्षा मंत्री (जिसके अंतर्गत रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री और उप मंत्री भी हैं) को तट रक्षा से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित समारोहों पर ही सम्मान गारद पेश किया जाएगा या ऐसे अप्रबद्ध अवसरों पर किया जाएगा जिनके बारे में सरकार यह अभिनिर्धारित करे कि सम्मान गारद पेश करना आवश्यक है।

(2) सम्मान गारद की सदस्य संख्या :—

(क) राष्ट्रपति के लिए एक सौ पचास सामान्य सैनिक,

(ख) उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लिए सौ सामान्य सैनिक,

(ग) अन्य सभी के लिए पचास सामान्य सैनिक।

(3) सकल सेवा :— तटरक्षक स्टेशन पर सम्मान गारद की व्यवस्था तट गारद द्वारा की जाएगी।

(4) सम्मान गारद की व्यवस्था सूर्यास्त और निशान फहराने के बीच नहीं की जाएगी।

टिप्पण :— तट गारद से सम्मान गारद की परेड की प्रेषणा की जा सकेगी यदि उस स्टेशन पर सैन्य सेवा में से कोई भी मौजूद नहीं है।

38. गारद और बैंड :- (1) बंदखानों में, निम्नलिखित सामान्य समय के भीतर गारद और बैंड की परख की जाएगी :-

(क) शनिवार और रविवार के अतिरिक्त सप्ताह के अन्य दिन :- निशान फहराने के बाद से दिन के एक बजे तक और दिन के दो बजे से सूर्यास्त या छः बजे तक जो भी पूर्व हो।

(ख) शनिवार और रविवार :- निशान फहराने के बाद से दिन के बारह बजे तक। और किसी समय तक ऐसा करने की आवश्यकता नहीं होगी जब तक कि उल्लिखित (2) में निम्नलिखित के विनाश पूर्वतः ऐसा करने का विशेष आदेश न दिया गया हो।

(2) गारद और बैंड को आवश्यकता सप्ताह के दिनों में "निशान" और (सूर्यास्त) या दिन के छः बजे के बीच किसी समय हो सकेगी और रविवार को बारह बजे तक जब तक कोई अन्य आदेश न दिया जाए और ऐसा उस समय किया जाएगा जब कोई ऐसा पोत या नौका जिस पर राष्ट्रपति का झंडा या राज्यलाल मानक या किसी गणमान्य व्यक्ति का झंडा लगा हुआ हो या कोई विदेशी युद्धपोत एक दूसरे के पास से गुजरे।

39. तटरक्षक वैयक्तिक सेल्यूट :- तटरक्षक सेल्यूट बाएं हाथ को टोपी हैट या पगड़ी या हेल्मेट तक नैसर्गिक रूप से और चुस्ती से लाकर दिया जाएगा। किन्तु ऐसी तेजी से नहीं किया जाएगा और अंगूठे और उंगलियों को सीधा और साथ बितकर रखा जाएगा, कोहनी को कंधे के साथ सीधा लाइन में रखा जाएगा, हाथ और बाजू को एक लाइन में रखा जाएगा तथा अंगूठा दाईं भौं के बाहरी किनारे के साथ लाइन में रहेगा और हाथ की हथेली बाईं ओर रहेगी।

(2) किसी अधिकारी के गुजरते समय सेल्यूट उनके मिलने से तुरन्त पूर्व आरम्भ कर दिया जाएगा और उसे तब तक जारी रखा जाएगा जब तक कि अधिकारी पूर्ण रूप हटते वही से गुजर न जाए और सेल्यूट देने वाला व्यक्ति ऐसा करते समय उसकी ओर देखना रहेगा।

(3) प्रत्येक अधिकारी उसे दिए गए सेल्यूट का उत्तर देगा। यदि सेल्यूट दो या अधिक अधिकारियों को दिया जाता है तो उसका उत्तर केवल ज्येष्ठ अधिकारी द्वारा दिया जाएगा।

(4) तटरक्षक सेल्यूट सभी अवसरों पर बाएं हाथ से ही दिया जाएगा।

(5) सादे कपड़ों में सेल्यूट टोपी को ऊपर उठाकर या उल्लिखित (1) के अनुसार दिया जाएगा।

(6) अधिकारियों के बीच सेल्यूट :- कनिष्ठ अधिकारी चाहे वह अकेला हो या दूसरे अधिकारियों के साथ हो उस समय ज्येष्ठ अधिकारी को सेल्यूट देगा जब वह उसके पास

से गुजरे, उसे संबोधित करे या वह अधिकारी उसे संबोधित करे और ज्येष्ठ अधिकारी इस सेल्यूट का उत्तर देगा। कनिष्ठ अधिकारी जब वह ज्येष्ठ अधिकारी के साथ हो केवल ऐसे अधिकारियों को ही सेल्यूट देगा जो परम्परा कथित से ज्येष्ठ हों।

40. फतक पर सेल्यूट :- (1) जेंग्रे पर आते समय या क्वार्टर डैक पर सेल्यूट सभी अधिकारियों और भर्ती किए गए व्यक्तियों द्वारा दिया जाएगा।

(2) सभी अग्रिमस्थ अधिकारी, नाविक और भर्ती किए गए अनुचर जब भी कोई अधिकारी उन्हें संबोधित करे या वे अधिकारी को संबोधित करें, सेल्यूट देंगे और उनके पास से हटते समय फिर सेल्यूट देंगे।

(3) सभी अग्रिमस्थ अधिकारियों, नाविकों और भर्ती किए गए अनुचरों के पास से जब भी कोई अधिकारी गुजरे तो वे सावधान खड़े हो जाएंगे।

(4) तट गारद के सभी सदस्य, यदि वे हेड ड्रेस पहन रहे हों, अर्धवृत्त दिशा को ओर देखेंगे और सेल्यूट देंगे :-

(क) जब भी कोई राष्ट्र गान या किसी विदेशी राष्ट्र गान की धुन बजाई जाए।

(ख) जब निशान फहराया जाए, या

(ग) जब दिशान सूर्यास्त के समय नीचे किये।

स्पष्टीकरण :- भर्ती किए गए व्यक्तियों के बल लाइन बनाएंगे सावधान खड़े रहेंगे, अधिकारी या भर्ती किया गया भारताधिक व्यक्ति सेल्यूट देगा।

41. तट पर सेल्यूट :- (1) निम्नलिखित को सेल्यूट दिया जाएगा :-

(क) राष्ट्रपति

(ख) वहीं में तटरक्षक अधिकारी

(ग) सादे कपड़ों में तटरक्षक अधिकारी जो अपनी हैसियत के कारण या इस कारण कि वे उसी पोत से संबन्धित हैं और अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं।

स्पष्टीकरण :- सेल्यूट सम्मान चिन्ह होने के साथ-साथ शिष्टाचार और अच्छी आदतों का प्रतीक है। सभी अधिकारियों और भर्ती किए गए व्यक्तियों से यह आशा की जाती है कि वे ज्येष्ठ अधिकारी को मान्यता प्रदान करें और उसे विहित सेल्यूट दें।

(2) निम्नलिखित परिस्थितियों में सम्मान देने से संबन्धित नियम चिन्ह नीचे उपदर्शित किए गए हैं :-

(क) अग्रिमस्थ अधिकारी नाविक या भर्ती किया गया अनुचर, जो पीछे मुड़कर खड़ा हो सामने की ओर देखेगा और उस अधिकारी को सेल्यूट देगा जो उसके पास से गुजरे, यदि वह उस

समय बैठा हुआ हो जब कोई अधिकारी उसमें पास आए तो वह ऊपर उठेगा, सावधान खड़ा होगा और सेल्यूट देगा।

(ख) किसी अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति के भार साधन में, भर्ती किए गए व्यक्तियों के नाटिक दल सावधान खड़े रहेंगे और अधिकारी या भर्ती किया गया भार साधक व्यक्ति सेल्यूट देगा।

(ग) जब तट पर अधीनस्थ अधिकारियों, नाविकों और भर्ती किए गए अनुचरों के अन्य दल किसी अधिकारी के पास से गुजर रहे हों या अधिकारी उनके पास से गुजर रहे हों सभी उन्हें सेल्यूट देंगे।

(घ) ऐसे अधिकारी और भर्ती किए गए व्यक्ति, जो दो पड़ियों वाली सवारों पैडल वाली सवारों या मोटर वाली सवारों पर सवार हों उस समय सेल्यूट नहीं देंगे जब उनका यान चल रहा हो। यद्यपि वे उस समय सेल्यूट अवश्य देंगे जब यान खड़ा हुआ हो।

(ङ) यान में ज्येष्ठ अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति चाहे वे चालक के रूप में हों या यात्री के किसी ज्येष्ठ अधिकारी के पास से गुजरते हुए उसे सेल्यूट देंगे। उस समय यान में बैठे हुए गेब यात्री सावधान बैठे रहेंगे।

स्पष्टीकरण :—कोई भी अधिकारी उस समय सेल्यूट की आज्ञा नहीं करेगा जिस समय सवार व्यक्ति या चालक किसी कठिनाई या खतरे में है।

(3) अधिकारी और भर्ती किए गए व्यक्ति निम्न-लिखित अवसरों पर भी सेल्यूट देंगे :—

(क) किसी अर्थी या जनाजे के गुजरते समय,

(ख) तट गारद द्वारा खुली हुई दशा में ले जाए जाने वाले निशानों के गुजरते समय।

(ग) यदि हैड ड्रेस पहन रखी हो तो राष्ट्र गान या किसी विदेशी गान की धुन बजाते समय।

(घ) जब निशान फहराया जाए।

(ङ) जब सूर्यास्त के समय निशान नीचे किये जाएं।

(4) वैयक्तिक अधिकारी और भर्ती किए गए व्यक्ति उस समय सावधान खड़े रहेंगे जिस समय राष्ट्र गान या किसी विदेशी राष्ट्र गान की धुन बजाई जाए।

(5) ऐसे स्थानों में एक दूसरे को सेल्यूट नहीं दिया जाएगा जैसे ड्रिल, शूट, रेलवे स्टेशन, रैस पर स्टैंड, बैठक या खेल और उसी जैसे किसी अवसर पर विवाह ऐसी स्थिति के जब किसी अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति को किसी ज्येष्ठ अधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से संबोधित किया जाए, या जब रिपोर्ट दी जा रही हो।

(6) कतिपय ज्येष्ठ अधिकारी अपनी कारों पर सुरक्षक सवारी झंडा लगाने के हकदार हैं। ऐसा झंडा उस समय नहीं लगाया जाएगा जिस समय हकदार अधिकारी में नहीं। संबंधित व्यक्तियों ने कतिपय अधिकारी और सभी भर्ती किए गए व्यक्ति ऐसे झंडों को सेल्यूट देंगे।

(7) उप महानिरीक्षक और उससे ऊपर की पंक्ति के अधिकारी कार में अपनी उपस्थिति के संकेत के रूप में निम्नानुसार स्टार प्लेट लगाएंगे :—

एक तारा — उप महानिरीक्षक

दो तारे — महानिरीक्षक

तीन तारे — महानिदेशक

42. बिना शस्त्र निरीक्षण :—(1) किसी भी पंक्ति का ऐसा कोई ज्येष्ठ अधिकारी या अधिकारी जो पोत की कमान कर रहा हो पाप कम्पनी का कवचाधीन निरीक्षण करे तो निरीक्षण अधिकारी के आगमन पर भर्ती किए गए व्यक्तियों की पंक्तियां दाईं ओर एक एक करके सेल्यूट देंगी। यह भर्ती किए गए व्यक्ति पंक्ति में खड़े सभी व्यक्तियों से ज्येष्ठ ले चाहेंगे।

(2) यदि निरीक्षण अधिकारी यह चाहता है कि नाविक और भर्ती किए गए अनुचर अपने सर न हटें तो "टोपी उतार" ड्रिलकी जाएगी, अधीनस्थ अधिकारी अपने सर झुके रखेंगे किन्तु वे सेल्यूट देंगे।

अध्याय 6

अंत्येष्टी के समय सम्मान

43. अंत्येष्टी के समय सम्मान :—किसी सरकारी अंत्येष्टी में भाग लेने वाली तटरक्षक यूनिट भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार कार्यवाही करेगी।

44. अधिकारियों और भर्ती किए गए व्यक्तियों के संबंध में अंत्येष्टी सम्मान :—(1) किसी तटरक्षक पोत के अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति की अंत्येष्टी पर अंत्येष्टी के समय शवदाह पर या कब्र पर या जब उसका समुद्र में जल प्रवाह किया जाए मयकदरी की तीन वाली फातर की जाएगी।

(2) तट गारद अंत्येष्टियों से संबंधित सभी अवसरों पर उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी अंत्येष्टी और फातर करने वाले दलों की सदस्य संख्या और संरचना तथा अधिकारियों और भर्ती किए गए व्यक्तियों की संख्या का जो ऐसे दल का भाग हों, विनियमन करेंगे किन्तु यह उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी के पास उपलब्ध साधनों पर निर्भर करेगा।

45. अधिकारियों या भर्ती किए गए व्यक्तियों को सम्मान कब दिया जाए :—(1) सरकारी तौर पर सम्मान केवल उन अधिकारियों या भर्ती किए गए व्यक्तियों को अंत्येष्टी पर, जिनकी सेवा करते हुए मृत्यु हुई हो और

जिनका शवदाह किया जाता है, समुद्र में जल प्रवाह किया जाता है या भट्ठाशुक्त पदार्थ को प्रतीना या उपस्थान पर जहां पोत मौजूद है दफनाया जाता है, दिया जाएगा। किन्तु महानिदेशक अपने विवेकानुसार ऐसे अधिकारियों की अन्वेषी पर सम्मान देने का प्राधिकृत कर सकेगा जिन्होंने कतिपय उच्च नियुक्तियां धारित की हों।

(2) ज्येष्ठ अधिकारी या पोत की कमान करने वाले अधिकारी को चाहे वे किसी भी पंक्ति के हों, सभी भर्ती किए गए व्यक्ति और अनुचर, जो अधीनस्थ अधिकारी से निम्न कोटी के हों पूर्वकथित को उस समय सेल्यूट देंगे जब पश्चात् कथित उनके पास से उस समय गुजरें जब वे वहां दृष्टि हों।

(3) जब डिविजन, क्वार्टर, बाव, लाइन बनाने पर और बिना शस्त्र निरीक्षण के लिए लाइन बनाने के अन्य सभी अवसरों पर भर्ती किए गए व्यक्ति सावधान रहेंगे।

रक्षा (समन्वय) र.सं.अ.वि.टि.सं. : एन डब्ल्यू
0217/2908/डी (एन-II)/88

प्रणव राय, संयुक्त सचिव (नीमेना)

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd November, 1988

S.R.O. 15(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (m) of sub-section (2) of section 123 of the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules regarding the ceremonials to be observed and marks of respect to be paid in the Coast Guard, namely :—

CHAPTER 1

PRELIMINARY

1. Short title and Commencement.—These rules may be called the Coast Guard (Ceremonial) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—
 - (a) "Act" means the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978) ;
 - (b) "Coast Guard order" means an order issued by the Director General Coast Guard ;
 - (c) "Government" means the Central Government ;
 - (d) "Service" means the Indian Coast Guard Service ;
 - (e) All words and expressions used but not defined in these rules and defined in the Act shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. Exercise of power vested in the holder of Coast Guard Office.—Any power or jurisdiction given to, and any act or thing to be done by or before, any person holding any Coast Guard office for the purpose of these rules may be exercised by or done by or before, any other person for the time being authorised in that behalf according to the customs of the service.

CHAPTER 2

STANDARDS AND DISTINGUISHING FLAGS

4. The President.—(1) The National Flag will be hoisted on board ships in harbour, on official buildings and enclosures only when President is present. It will be hauled down at the moment of departure.

(2) Whenever the President embarks on any of the ships in harbour, the National Flag is to be hoisted at the mast or in the most conspicuous part of the ship.

(3) National Flag at Jack Staff.—On occasions when a ship is underway with the President embarked, such ship and all escorting ships shall wear the National Flag at the Jack staff and shall wear the Coast Guard ensign and National Flag continuously day and night.

5. A. Senior Officers' Flags.—The following flags shall be hoisted at the mast by entitled officers as their proper flags :—

(i) Director General.—A blue flag with Coast Guard crest superimposed in the centre of the flag with three vertical stars in the upper, centre and lower cantons next to the fly.

(ii) Inspector-General.—a blue flag with Coast Guard crest superimposed in the centre with two vertical stars in the upper and lower cantons next to the fly.

(iii) Deputy Inspector-General, if Commanding a Coast Guard Region.—A blue flag with Coast Guard crest superimposed in the centre with one star in the centre next to the fly.

(iv) Deputy Inspector-General other than Regional Commanders.—A blue pennant with Coast Guard crest superimposed in the centre with one star in the centre next to the fly.

B. (i) Flags afloat.—Officers entitled to fly flags afloat are : Director-General, Inspector-General and Deputy Inspector-General in command of a Coast Guard Region.

(ii) Flags ashore.—Officers entitled to fly a flag ashore are : Director-General and Regional Coast Guard Commanders.

6. Flags and Pennants Displaced.—The President's flag shall always be worn at the mast, the flag/pennant of Director-General/Inspector-General/Deputy Inspector-General, if necessary, being shifted to another suitable location or ship as the case may require.

7. Flags half-masted.—(1) In the event of the death of the President, ships and establishments shall half-mast colours from the day on which intimation of the death is received and they shall remain at half-mast until sunset on the day of funeral or as ordered.

(2) On the death of other dignitaries, orders concerning the ceremony to be observed shall be issued by the Director-General on each occasion. The usual procedure to be followed shall be for colours to be half-mast on the day of the funeral only.

8. Alternative positions for the hoisting of flags and ensigns.—(1) In ships with masts and superstructures that do not allow the hoisting of flags and ensigns at the customary or authorised positions, such flags may be hoisted at another mast or, if necessary, at the yardarm.

(2) Oorssing.—Lines.— When suitable centre-line positions cannot be provided aloft for dressing-lines blocks these should be sited at port or starboard yardarms as high as possible.

9. Mast Head Pennant.—(1) All ships in commission and when not wearing a flag or pennant, shall fly at the masthead a Coast Guard Pennant, a blue pennant of 9 cms length with 9 cms breadth at the head and 4.5 cms at the fly, with Coast Guard emblem super imposed at the distance of 15 cms from the head.

(2) If necessary, in order to avoid fouling radio serials and other obstruction aloft, a shorter pennant may be flown, provided it can be easily seen at a short distance from the ship.

(3) At shore establishment in Commission, a masthead pennant shall be flown at the head of the flag staff when a flag staff is fitted.

CHAPTER 3

COLOURS

10. The President's Colours.—(1) The President's Colours shall be paraded on shore in India on the following occasions, namely :—

- (a) by a Guard of Honour mounted for the President ;
- (b) on the Republic Day ;
- (c) on such important ceremonial occasions as may be ordered by the Director General.

(2) The President's Colours shall only be lowered to the President, foreign Sovereigns, Presidents of Republic States or Governors within their jurisdiction.

(3) The President's Colours when carried on eased shall be received at all times with the highest respect with arms presented, officers saluting and the band playing the National Anthem.

11. Coast Guard ensign ashore.—(1) On occasions of important ceremonial reviews or international Coast Guard displays ashore outside India, the Coast Guard ensign may be carried with Coast Guard landing parties at the discretion of the Senior Coast Guard officer present.

(2) In countries the Government of which is recognised by the Government of India, the Coast Guard ensign may be carried by Coast Guard detachments on the following important ceremonial occasions, namely :—

- (a) when the Head of the State or his representative is present ; or
- (b) when the omission of the Coast Guard ensign might cause misunderstanding or offence.

(3) At the discretion of Director-General or Senior Coast Guard officer present, the Coast Guard ensign may be hoisted at a flag staff ashore in India or in a country the Govern-

ment of India, on such occasions as the "Beatine Retreat" or at the saluting base in a march past or review.

(4) The parading of Coast Guard ensign is unauthorised except for the occasions specified in sub-rules (1), (2) and (3).

12. Ships in commission.—(1) All Coast Guard Ships in commission shall wear the following colours :—

- (a) A Coast Guard ensign.—A blue ensign with Coast Guard emblem at the centre towards the fly.
- (b) The National Flag, which should be of smaller dimensions than the ensign; at the Jack staff when in harbour, at anchor or moored to a buoy or alongside. Ships in dock or ships in deckyard hands shall not wear the National flag at the Jack staff.
- (c) A pennant as specified in rule 9.

(2) Ships not in commission shall not wear colours except on occasion of their launch.

13. Wearing the Coast Guard ensign.—(1) The Coast Guard ensigns shall be worn :—

- (a) in harbour—at the ensign staff ;
- (b) at sea—at the ensign staff whenever possible, but in bad weather or whenever the ensign staff is not available, for reasons, such as the ship being cleared for action, and the like, it should be worn on a staff in a suitable position on the after superstructure.

(2) The Senior Officer present shall arrange for the necessary uniformity, especially as regards ships of the same class.

14. Colours—hoisting and hauling down.—(1) Ships shall hoist their colours (National Flag and Coast Guard ensign) at 0800 hours daily or as directed by the Senior Officer; they are to be worn throughout the day, subject to the weather or as the Senior Officer may direct, until sunset, when they shall be hauled down.

(2) When bands are ordered to play at the hoisting of the colours, they will play the Indian National Anthem.

(3) When in a foreign port, bands shall play the national anthem of the country in which the port is situated, immediately after the Indian National Anthem.

(4) When bands are not paraded, the bugle shall sound the general salute.

(5) If there is sufficient light for the ensign to be seen, it shall be hoisted earlier or later than provided in the preceding sub-rules, unless there is sufficient reason to the contrary, whenever a ship takes up her berth, or gets underway, or on her passing, meeting, joining or parting from any other Indian Coast Guard ship, or on her falling in with any other ship or ships at sea, or when in sight of, and near, the land specially when passing or approaching forts, batteries, signal or Coast Guard Stations, light houses or towns.

15. Lowering flags.—Ships shall not on any account lower their flags to any foreign ships whatsoever, unless the foreign ships shall first, or at the same time, lower their flags to them.

16. Half-masting colours.—(1) Colours half-masted for a funeral or interment on shore shall be lowered at the time the funeral procession is due to leave the place where the body has been lying and re-hoisted when sufficient time has elapsed for the cremation or interment.

(2) When the body leaves a ship, the colours shall be lowered when the body is removed from where it had been lying on board the ship and re-hoisted when sufficient time has elapsed for the cremation or interment.

(3) For a funeral at sea, the colours shall be lowered when the body is removed from where it has been lying and re-hoisted when the funeral service is ended.

(4) When the body is being removed from a ship to await cremation or interment, colours shall not be half-masted, but the boat conveying it shall fly a boat's ensign at half-mast.

(5) When colours are ordered to be half-masted throughout the day, they shall be hoisted close up when colours are hoisted in the morning and immediately lowered to half-mast. At sunset, they shall first be hoisted close up and then lowered in the usual manner.

(6) When in foreign ports, if ships/warships of the countries concerned half-mast their colours on the death of one of their nationals, ships shall as a matter of courtesy conform by half-masting their own colours. In the event of a foreign ship being in an Indian port on such an occasion, ships in company shall half-mast their colours on the day of the funeral only, unless special orders are issued by the Director-General or the Senior Coast Guard officer present.

(7) Ships approaching or leaving an anchorage where ships of any other country are wearing a foreign national flag at half-mast at the same, or have their colours at half-mast, shall, while within sight of the ships in port, hoist or keep the foreign national flag at half-mast, or half-mast their own colours.

(8) On the death (otherwise than in battle) of a Senior Officer whose flag is flying in one of the ships or Coast Guard Stations, his flag shall be half-masted and kept at half-mast until sunset on the day of funeral when it shall be hoisted close up and then finally struck.

(9) If however, the funeral is to take place at a distance from the ship or port in which the flag is flying, the flag shall be kept at half-mast until sunset on the day on which the body is removed from the ship or port for the purpose of burial or cremation.

(10) Instructions regarding half-masting of colours on the death of the President as contained in rule 7 shall also be applicable in the event of the death of the Vice-President or the Prime Minister.

17. Dressing Ship.—(1) All ships which re-supplied with necessary material shall be dressed overall in port from the time of hoisting colours until sunset on the Republic Day and on the Independence Day.

(2) Ships underway and those not fitted with dressing lines, shall dress only with ensigns at their mast-heads and National Flag at the Jack staff. This method shall also be adopted by other ships by orders of the Senior Officer present, should conditions render dressing ship overall inexpedient.

(3) Ships shall also be dressed by order of the Senior Officer present when in the presence of a flag of a Head of a State on occasions of visits of a Head of State and on certain foreign ceremonial occasions when in the presence of ships, or in the waters of the concerned countries. The manner of dressing and time during which ship shall be dressed shall be stated on each of these occasions according to circumstances.

(4) On occasions when ships are dressed in honour of an Indian ceremonial or personage, ships wearing flags/pennants of the Director-General/Inspector-General/Deputy Inspector-General shall wear the Coast Guard ensign only at masts not occupied by either of the above. Other ships shall wear the Coast Guard ensign at the mast/masthead.

18. Launching of Coast Guard ships.—(1) Colours shall be worn at all launchings of ships whether dockyard or contract built, at which there is a 'Naming Ceremony'; the Coast Guard ensign shall be worn at the ensign staff and the National Flag at the Jack staff. It shall not be necessary to hoist any other flag.

(2) The largest size of the flag shall be:—

(a) Ensign—8 breadths.

(b) National flag—6 breadths.

CHAPTER 4

FLAGS IN BOATS

19. Wearing the Coast Guard ensign in boats.—(1) Boats belonging to ships and Coast Guard work boats shall fly the Coast Guard ensign on the following occasions:—

(a) in foreign waters;

(b) when going alongside a foreign warship on all occasions during day and night.

(2) In India, boats shall only fly the ensign in accordance with clause (b) of sub-rule (1) between the time of colours and sunset, except as provided in clause (b) of sub-rule (1).

(3) In foreign waters, boats shall fly their ensigns when away from their ships at any time between dawn and dusk and on the occasions specified in clause (b) of sub-rule (1).

(4) When the colours are half-masted in ships, boats ensign (if flown), shall also be half-masted.

(5) When a corpse is being conveyed in a boat, either in Indian or foreign waters, that boat shall fly her ensign at half-mast.

20. Flags/Pennants in boats.—Senior Officers entitled to fly their flags or pennants and other officers holding an appointment in Command of a ship or shore establishment, when proceeding on a ceremonial occasion in a boat, may fly the flag, pennant or masthead pennant applicable to their rank in the bows.

21. Painting on boats.—(1) The barge and any other personal boats of the Director-General and other senior officers of the Coast Guard shall be painted white.

(2) Except for the condition in sub-rule (1) boats may be painted in any colour or combination of colours at the discretion of the Commanding Officer, subject to the approval of the concerned Regional Commander.

CHAPTER 5

HONOURS AND MARKS OF RESPECT

22. Marks of respect.—(1) The Marks of respect are to be paid to VVIPs, Senior Officers and officers and officials on their arrival at and departure from Coast Guard ships and Coast Guard establishments.

(2) These marks of respect are normally paid only between colours and sunset, but the Senior Officer concerned may waive this rule in special circumstances.

(3) The 'Alert' and piping the side are used on all occasions; guards and bands are paraded for ceremonial visits.

23. Bugle.—The 'Alert' is a mark of respect due to rank and shall be sounded on the bugle, between the hours of colours and sunset, for the President the Vice-President, the Prime Minister and the Defence Minister and if in uniform, for all Senior Officers when coming on board and leaving any ship or when visiting Coast Guard stations or establishments.

24. Piping the side.—(1) Between the hours of colours and sunset, the side shall be piped to the following, coming on board or leaving one of the ships:—

(a) The President.

(b) All Senior Officers in uniform, as provided in rule 5.

(c) All general duty Officers of Coast Guard in uniform holding an appointment in command of a ship in commission (including a shore establishment, where the latter condition applies), or sea going tender and all hon-general duty Coast Guard officers in uniform holding an appointment in Command of a shore

establishment in commission, when proceeding on board or leaving one of the ships. Officers coming on board by a barge, should not be piped unless arriving at a pre-arranged time. The side shall not be piped at any shore station.

25. The National Anthem.—(1) There are two versions of the National Anthem, namely :—

- (a) the full version, comprising the first stanza of the 'Jana Gana Mana'—playing time approximately 52 seconds; and
- (b) the short version, comprising the first and the last line of the stanza—playing time approximately 20 seconds.

(2) These two versions are played on the following occasions when bands are available :—

- (a) Full version.—(i) On all ceremonial occasions when the President is present—including broadcasts by the President on the National Days.
- (ii) On all ceremonial occasions for Governors when they attend ceremonial parades within their States.
- (iii) At Republic and Independence Day parades when the National Flag is broken.
- (iv) At "Colours" when a guard and band are paraded.
- (b) Short version.—On all other ceremonial occasions.

26. Musical salutes.—The airs to be played on authorised occasions shall be as ordered by the Director-General.

27. The President.—The President shall be received on board any of the ships or on arrival at Coast Guard Stations by a Guard of Honour commanded by a Commandant or a Deputy Commandant, the Officers saluting, the bugles sounding the "Alert" with arms presented and band playing the National Anthem. If the band is not available, the bugles shall sound the general salute.

28. Foreigners of high distinction.—Foreigners of high distinction who are received with a Guard of Honour when visiting ships of their own nation, shall be similarly received when visiting Coast Guard ships.

Explanation.—National anthems of other countries shall be played in full.

29. President of a Republic, Royal personage, Senior Officers Passing in a boat.—(1) When a President or a royal personage is passing in a boat or tender or when the Senior Officers as specified in rule 5, with the flag or pennant flying in a boat or tender, is passing a ship not under way, the guard and band shall be paraded, the bugles sounding the salute as provided in rules 37, 38 and 40, unless otherwise ordered.

(2) If a ship not underway is flying the flag or pennant of an Officer senior to the Senior Officer passing in a boat or tender, the "Alert" shall be sounded on the bugle, but the guard and band shall not be paraded.

30. Director-General.—The Director-General when flying his flag, shall be received on board any ship or on arrival at a Coast Guard Station, by a guard commanded by a Deputy Commandant or an Assistant Commandant with arms presented, the officers saluting, the bugles sounding the "Alert" and the band playing a salute as provided in rule 29. If a band is not available, the bugles shall sound the general salute.

31. Regional Commanders Coast Guard.—An Inspector-General or a Deputy Inspector-General, when flying his flag or pennant as a Regional Commander Coast Guard, shall be received on board any ship or on arrival at a Coast Guard Station, by a Guard commanded by a Deputy Commandant or an Assistant Commandant, with arms presented, the officers saluting, the bugles sounding the "Alert" and the band playing the salute as provided in rule 29. If a band is not available, the bugles shall sound the general salute.

32. Saluting by civilian VIPs.—(1) Form of salutation (civilians).—Civilians dignitaries required to take a Coast Guard parade or receive a Guard of Honour shall return the compliments as follows :—

(a) Gentlemen.—By raising the right hand to the forehead and touching the right of the forehead with the fingers slightly inclined, the observe of the palm facing the right eye and the reverse outwards. The hand should be lowered only after the troops have marched past or after group has marched past where there are more than one.

(b) Ladies.—Ladies may acknowledge the salute in the same manner as provided in clause (a) or in any other suitable manner.

(2) Position of Aides-de-Camp. The Parade Commander and the senior-most officer.—The VIP alone stands on the dais. If he has AsDC attending on him, they may stand on the sides of the saluting dais, a little to the rear of the VIP. The Parade Commander after he has saluted and passed in front of the VIP of the head of the parade may leave the column and take up a position next to the VIP below the dais, on the flank from which the parade marches on.

33. Inspector-General/Deputy Inspector-General.—An Inspector-General or a Deputy Inspector-General when flying his flag or pennant not covered under rule 31, shall be received on board a ship or on arrival at a Coast Guard Station, by a guard commanded by an Assistant Commandant.

34. Honours at departure as well as at reception.—The Coast Guard honors and marks of respect authorised in the foregoing rules shall, unless otherwise ordered, be rendered at the reception as well as at the departure of the personages and officials specified.

35. Ceremonial for two ships passing between sunrise and sunset.—(1) When two Coast Guard ships one another, of which only one is under way :—

(a) if either is a ship wearing the President's Flag or flag of a Senior Officer, the junior ship shall sound the "Alert" on the bugle; the other shall immediately do likewise and after a short interval also sound the "Carry-on". If guards and bands are paraded, the junior ship shall give the salute applicable, as provided in rules 29, 30, 31, 32 and 33; the senior ships guard receiving the salute at 'KANDHE SHASTRA'.

(b) if neither ship be flying the flag of a Senior Officer, the bugle shall not be used similar marks of respect shall be paid and returned by pipe.

(2) In all cases, when both ships are under way, the marks of respect provided in sub-rule (1) shall be paid and returned by pipe only.

36. Salutes and marks of respect in boats.—(1) The following rules for the paying and returning of marks of respect in boats shall be observed :—

(a) The Officer-in-Charge of the boat or the coxswain shall always salute, except where the design of the boat is such that the Officer-in-Charge or the coxswain is in an inconspicuous position, in which case one of the members of the boat's crew shall be detailed to salute.

(b) The senior of the officers in the boat shall also salute whenever this is practicable.

(c) The salute shall be acknowledged by the officer being saluted, unless he details an officer to do so. If no officer is available, the coxswain of the boat may be detailed to answer the salute.

(d) Where boats carrying Officers of equal rank pass each other, no exchange of salute shall take place.

(2) In addition to saluting, special marks of respect shall be paid to important personages and Senior Officers.

(3) All officers shall be saluted by Officer-in-Charge of the boat or the coxswain when getting into or leaving the boat.

(4) In private boats, officers and enrolled persons may pay and return salutes as indicated by courtesy, but only the officer or the enrolled person in most convenient position should salute.

37. Guards of Honour.—(1) The personages entitled to Guards of Honour are :—

- (a) The President.
- (b) The Vice-President.
- (c) The Prime Minister.
- (d) The Defence Minister (including Ministers of State in the Ministry of Defence and Deputy Ministers of Defence) :

Provided that the Defence Minister (including Ministers of State in the Ministry of Defence and Deputy Ministers of Defence) shall be presented a Guard of Honour only on ceremonial occasions directly connected with the Coast Guard or on such exceptional occasions as may in each case be held by the Government to require the presentation of a Guard of Honour.

(2) Strength of Guard of Honour :—

- (a) 150 Rank and File for the President.
- (b) 100 Rank and File for the Vice-President and the Prime Minister ;
- (c) 50 Rank and File for all others.

(3) Single service.—Guards of Honour at Coast Guard Stations shall be provided by the Coast Guard.

(4) No Guard of Honour shall be provided between sunset and colours.

NOTE.—Coast Guard may be required to parade Guards of Honour, if none of the Military Services are present in a station.

38. Hours of Guards and bands.—(1) In harbour, the following shall be the normal times within which Guards and bands are liable to be paraded :—

- (a) Week days except Saturdays and Sundays :—From "Colours" to 1300 hours and from 1400 hours to sunset or 1300 hours whichever is earlier.
- (b) Saturdays and Sundays.—From "Colours" to 1200 hours. At other times they shall not be required unless specially ordered before hand except as specified in sub-rule (2).

(2) Guards and bands shall be required at any hour between "Colours" and sunset (or 1800 hours) on week days and 1200 hours on Sundays, unless otherwise ordered, when passing or being passed by a ship or boat flying a President's flag or Royal Standard or flag of a distinguished personage or by a foreign warship.

39. Coast Guard Personal Salute.—The Coast Guard salute shall be made by bringing up the right hand to the cap hat or turban or helmet, naturally and smartly, but not hurriedly with the thumb and fingers straight and close together, elbow in line with the shoulder, hand and forearm in line, the thumb being in line with the outer-edge of the right eyebrow, with the palm of the hand turned to the left.

(2) When passing an officer the salute shall be commenced just before meeting and continued until well past the officer, the person saluting looking towards him at the same time.

(3) Every officer, shall return a salute made to him. A salute made to two or more officers shall be returned by the Senior Officer only.

(4) The Coast Guard salute shall be made on all occasions with the right hand only.

(5) In plain clothes, the salute shall be made by raising the cap or as in sub-rule (1).

(6) Salutes between Officers.—A junior officer, whether alone or in company with other officers, shall salute his senior officer when passing, addressing or being addressed by him, making the salute, which the senior should return. A junior officer, when in company with a senior officer, shall only salute officers senior to the latter.

40. Salutes on board.—(1) When coming over the gangway, or on to the quarter-deck, the salute shall be made by all officers and enrolled persons.

(2) All subordinate officers, sailors and enrolled followers shall salute, when addressing or being addressed by an officer, and again on withdrawing.

(3) All subordinate officers, sailors and enrolled followers, when being passed by an officer shall stand to attention.

(4) All members of the Coast Guard, if wearing head dress, shall face in the required direction and salute :—

- (a) whenever the National Anthem or any foreign national anthem is played
- (b) when colours are hoisted ; or
- (c) when colours are lowered at sunset.

Explanation.—Parties of enrolled persons fallen-in shall be called to attention, the officer or enrolled person in charge, saluting.

41. Salutes on shore.—(1) The following shall be saluted

- (a) The President.
- (b) Coast Guard officers in uniforms.
- (c) Coast Guard officers in plain clothes, who either by reason of their position or because they belong to the same ship, are known to be officers.

Explanation.—The salute, in addition to being a mark of respect is a simple act of courtesy and good manners. It behoves all officers and enrolled persons to recognise a senior officer and accord him the prescribed salute.

(2) The rules for paying marks of respect in the following circumstances shall be as indicated against each :—

- (a) A subordinate officer, sailor or enrolled follower who is standing about shall face and salute an officer who passes him ; if sitting when an officer approaches, he shall raise, stand to attention and salute.
- (b) Organised parties of enrolled persons in charge of an officer or enrolled person shall be called to attention, the officer or enrolled person in charge only saluting.
- (c) When other parties of subordinate officers sailors and enrolled followers on shore are passing or being passed by an officer, all shall salute.
- (d) Officers and enrolled persons, riding two wheeled conveyance, pedal or motorised, will not salute when the vehicle is in motion. They shall, however, salute when their vehicle is stationary.
- (e) The Senior Officer or enrolled person in a vehicle, whether driver or passenger, shall salute when passing a senior officer. The remaining passengers in the vehicle meanwhile sitting to attention.

Explanation.—No Officer shall expect to be saluted if a rider or driver is in difficulty or danger.

(3) Officers and enrolled persons shall also salute on the following occasions :—

- (a) On passing a funeral ;

(b) On passing uncased colours carried by the Coast Guard.

(c) If wearing head-dress, when the national anthem or any foreign national anthem is played.

(d) When colours are hoisted.

(e) When colours are lowered at sunset.

(4) Individual Officers and enrolled persons shall stand to attention, uncovered whenever the National Anthem or any foreign national anthem is played.

(5) Salutes shall not be exchanged in such places as drill sheds, railway stations, stands at races, meetings or sports fixtures and the like, except when an officer or enrolled person is being addresser personally by a superior officer, or when making a report.

(6) Certain senior officers are entitled to fly Official distinguishing flags on their cars. Such flags shall not be displayed unless the entitled officer is in the car. Officers junior to those concerned and all enrolled persons shall salute such flags.

(7) Officers of the rank of Deputy Inspector General and above may display Star plates to denote their presence in the car as follows :—

One Star—Deputy Inspector-General.

Two Star—Inspector-General.

Three Star—Director-General.

42. Inspection without arms.—(1) When inspected by a Senior Officer or by the officer in Command of the ship of whatever rank, ships companies are inspected covered, and the right hand enrolled person only shall salute on the arrival of the inspecting officer. This enrolled person should be the senior of those fallen-in.

(2) If the inspecting officer wishes the sailors and enrolled followers to uncover their heads, the drill "Topi Utar" shall be carried out. Sub-ordinate officer will not uncover, but shall salute.

CHAPTER 6

FUNERAL HONOURS

43. Funeral honours.—Coast Guard units required to participate in a State funeral will act in accordance with the orders issued by the Ministry of Home Affairs, Government of India.

44. Funeral honours for Officers and Enrolled Persons.—
(1) At the funeral of an officer or enrolled person of any Coast Guard ship, three volleys of musketry shall be fired at the cremation over the grave or over the body when committed to the sea.

(2) On all occasions of Coast Guard funerals, the Senior Officer present shall regulate the strength and composition of the funeral and firing parties, the number of officers and enrolled persons forming the parties being, however, subject to the means at the disposal of the Senior Officer present.

45. Honours when to be paid to Officers or enrolled persons.—(1) Honours shall be paid officially only at the funeral of the officers or enrolled persons who have died on service and whose bodies are cremated, committed to the sea or buried within the precincts of a Coast Guard port or at the place where the ship is lying. However, the Director-General may, at his discretion, authorise the rendering of honours at the funerals of Officers who have held certain high appointments.

(2) When being mustered by a Senior Officer or by the officer in command of the ship, of whatever rank, all enrolled persons and enrolled followers below Sub-ordinate Officer shall salute as they pass around.

(3) When inspected by an officer at Divisions, Quarters, Watch, fall-in and on all other occasions of falling-in for inspection without arms, enrolled persons shall be called to attention.

D. (Coord)

[M. of DID No. LW/0217/2908]D. (N-II).88]

P. RAY, Joint Secy. (Navy)

